बहुभाषी दैनिक समाचार पत्र
दीक्षालय प्रवाह

कानपुर शुक्रवार/ 25.10.2024
E-mail :- deekshalayapravah@gmail.com

कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का हुआ उद्घाटन

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। मुख्य अतिथि ने कहा कृषक उन्नत बीज एवं तकनीकी का करें प्रयोग। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में 24 एवं 25 अक्टूबर तक दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात उन्होंने मेले में लगे सभी स्थलों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया।उन्होंने दूरस्थ जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान मेलों का किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। किसान मेला कृषि का बड़ा कुंभ है। जो कि किसानों को उन्नतशील बनाने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गई हैं।जो जलवायु अनुकूलन भी हैं उन्होंने मक्का व आलू की खेती पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत किया गया।

रोग प्रतिरोधक क्षमता और खून बढ़ाएगा जमुनिया आलू

शरीर से विषैले पदार्थों को दूर करने के साथ बनाएगा सेहतमंद, तीन साल में सीएसए से मिलने लगेंगे बीज

जमुनिया आलू के साथ डॉ. अजय कुमार यादव। अमर उजाला

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। सेहतमंद रहने के लिए चिकित्सक आलू से दूरी बनाने के लिए कहते हैं, लेकिन अब ऐसा आलू तैयार किया गया है जिसे खाना फायदेमंद होगा। कुफरी की प्रजाति जमुनिया आलू न केवल शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर करेगा, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता और खून बढ़ाएगा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) में इस आलू के बीज पर रिसर्च किया जा रहा है। तीन सालों के भीतर इसके बीज सीएसए से मिलने लगेंगे।

सीएसए में आयोजित किसान मेले में मौजूद यह आलू लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। किसी ने इसे चुकंदर तो किसी ने इसे खराब आलू की श्रेणी में डाला, लेकिन जब विशेषज्ञ डॉ. अजय कुमार यादव ने उपलब्धियां बताई तो सभी हैरान रह गए।

केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला ने विकसित किया बैंगनी गूदे वाला आलू

डॉ. यादव ने बताया कि आलू में जेंट्रोफिन, जिंक, कैरोटीन, एंथोसायनिन पाया जाता है। जो रक्त बढ़ाने का काम करता है।

बैंगनी गूदे वाली आलू की इस किस्म को आईसीएआर-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला ने विकसित किया है। यह पहली बार मेले में आई। मात्र 90 दिनों में तैयार होने वाली इस आलू की उपज क्षमता 320-350 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इसे लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। सामान्य आलू के मुकाबले इसमें अरारोट की मात्रा बहुत कम होती है। उन्होंने बताया कि इसके बीज सीएसए में भी तैयार किए जा रहे हैं।

आर्गेनिक ड्रैगन फ्रूट में होगी मिठास

आम तौर पर ड्रैगन फ्रूट में खटास होती है, लेकिन किसान मेले में मीठा फ्रूट आया। उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि आर्गेनिक खेती से तैयार ड्रैगन फ्रूट मीठा होता है। इसे पूरी तरह से तैयार होने में 16 से 17 महीने लगते हैं। इसे हिंदी में कमलम फल कहते हैं, कारण इसका फूल कमल की तरह होता है।

किसान मेले में पहले दिन बिके रिकॉर्ड 30 लाख रुपये के बीज

सीएसए में हुआ आयोजन, इससे पहले अधिकतम 25 लाख तक ही हुई थी बिक्री

बीज के लिए मारामारी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में आयोजित किसान मेले में बीज लेने के लिए उमड़ी किसानों की भीड़। अमर उजाला

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में गुरुवार को दो दिवसीय भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। शुभारंभ उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। यहां अनाज व सब्जियों की 53 प्रजातियों के बीज रखे गए। पहले दिन ही रिकॉर्ड 30 लाख रुपये के बीज बिके। इससे पहले लगे मेलों में पहले दिन अधिकतम 25 लाख के ही बीज बिके हैं। गेहूं के बीज की मांग अधिक रही। वहीं, मटर, मसूर, सरसों, राई व सब्जियों के बीज भी बिके।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह ने कहा कि आर्गेनिक खेती की तरफ किसान बढ़ रहे हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन अगर बगल में नॉन आर्गेनिक खेती हो रही है तो इसका फायदा नहीं है। कारण, धरती के भीतर से रसायन रिसकर दूसरे के खेतों में पहुंच रहे हैं। वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के अनुसार नई प्रजातियां विकसित कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को नई तकनीक से रूबरू होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। यहां प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। वहीं, प्रसार निदेशालय की ओर से लिखित पुस्तकों का विमोचन भी हुआ। विवि परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को शैक्षिक किट देकर सम्मानित किया गया। मेले का संचालन डॉ. अरविंद कुमार ने किया। मौके पर डॉ. सीएल मौर्या, डॉ. विजय यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

मेले में किसान जुगराज सिंह को सम्मानित करते कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह, उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह व प्रो. आर के यादव। अमर उजाला

महानिदेशक बोले अकेले आर्गेनिक खेती का नहीं फायदा

मेले में रखे अनाज व सब्जियों के 53 प्रजातियों के बीज

इन प्रजाति के बीजों की रही मांग

- डीबीडब्ल्यू 303 और 187 : गेहूं की इन दोनों प्रजातियों के बीजों की काफी मांग रही। इन बीजों में कीट कम लगते हैं और उत्पादन अन्य की तुलना में पांच से छह क्विंटल अधिक होता है। इस प्रजाति का उत्तर पश्चिम में अच्छा उत्पादन होता है।
- के-1006 : गेहूं की इस प्रजाति में प्रोटीन, जिंक और आयरन अन्य की तुलना में 10पीपीएम से अधिक होता है। यह कुपोषण को दूर करने में सहायक है। बिहार और पूर्वांचल में काफी अच्छा उत्पादन होता है।
- के-1317 : गेहूं की यह प्रजाति कम पानी में भी अच्छी पैदावार देती है। पानी की समस्या से जूझ रहे किसानों के लिए यह वरदान है। पर्यावरण हितैषी होने के साथ अधिक तापमान में भी तैयार हो जाती है।
- मेले में सरसों की सुरेखा, आजाद मैक और पीतांबरी प्रजाति काफी पसंद की गई। देर से बोने पर भी अच्छा उत्पादन देने के साथ इनमें बीमारी कम लगती है।

मिलेट्स से बने कुकीज, ब्राउनी, कप केक और लड्डू रहे आकर्षण का केंद्र

सीएसए के होमसाइंस विभाग की ऐश्वर्या ने मेले में मिलेट के लड्डू का स्टॉल लगाया। यहां से लोगों ने जौ, बाजरा, गुड़, मेवे, रागी से तैयार लड्डू खरीदे। मिलेट्स से बनी पापड़ी की भी खूब मांग रही। सीएसजेएमयू में एमएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा युशरा, अंशिका, श्रुति, मोहिनी और सौरभ ने मिलेट्स से कुकीज, कप केक और ब्राउनी तैयार की, जो काफी पसंद की गई।

मित्र कीट बढ़ाने के लिए चल रहा शोध

मेले में मृदा संरक्षण और कीट प्रबंधन विभाग की ओर से भी स्टॉल लगाया था। इसमें वैज्ञानिकों के साथ शोधार्थियों ने विभिन्न कीटों का प्रदर्शन किया। विवि के शोधार्थी राम अजोत चौधरी ने बताया कि फसलों के मित्र कीट जाइको ग्रामा वाई कुलेराटा की संख्या बढ़ाने के लिए सीएसए के वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं। 70 के दशक में गेहूं के आयात के दौरान यह कीट अमेरिका से भारत आ गया था। इसकी पहचान 80 के दशक में हुई। यह कीट गाजर घास खाता है। लंबी पड़ताल के बाद पता चला कि यह कीट किसानों का हितैषी है।

17 किलो का कद्दू रहा आकर्षण का केंद्र

फिरोजाबाद से आए किसानों के स्टॉल में रखा 17 किलो का कद्दू आकर्षण का केंद्र रहा। खास बात है कि इसे जैविक खेती से तैयार किया गया है। इसमें किसी तरह के केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया गया।

मनमुताबिक बीज न मिलने से हुए निराश

मेले में हर साल की तरह इस बार भी बीजों को लेकर किसानों के बीच मारामारी रही। कई किसान मनमुताबिक बीज नहीं मिलने से निराश होकर लौट गए। दूर दराज से आए किसानों को थोड़े-थोड़े बीज से संतोष करना पड़ा। स्टॉलों पर काफी लंबी कतार लगी रही। हालांकि, सीएसए प्रशासन ने मेले में एक हजार क्विंटल बीज बिक्री के लिए रखे थे, लेकिन उम्मीद से कहीं अधिक किसान पहुंच गए। मेले में उत्तर प्रदेश, बिहार, एमपी से काफी किसान में पहुंचे थे।

सब हैं पागल हुए आज कल खूब कमाने में...

किसान मेला में विराट कवि सम्मेलन भी हुआ। इसमें नवगीतकार जयराम जय ने सब हैं पागल हुए आज कल खूब कमाने में, कहते कोई नहीं दूसरा और जमाने में... सुनाकर वाहवाही लूटी। फतेहपुर से आए हास्य व्यंग्य के कवि समीर शुक्ला की कविता अरे मोरे भैया बच के रहना, गिरगिट मिलिहैं सतरंगा, टिनिक-टिनिक हरि गंगा... सुनाकर लोटपोट किया। कवयित्री शिखा मिश्रा की गजल सांस लेती हूं कब किसी के लिए, मैं तो जिंदा हूं बस आप ही के लिए... सुनाकर समां बांध दिया।

हिंदुस्तान 25/10/2024

कुमार अग्रवाल गुरुवार को शहर पहुंचे। वे आईआईटी कानपुर के ... विजिटर्स हॉस्... रुके हैं। ... बजे के बीच है ... होने ...

... से कचहरी तक समर्थकों के साथ ... चे। इस मौके पर

रिकॉर्ड: बिक गए 30 लाख के बीज

किसान मेला

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को दो दिवसीय भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आगाज हुआ। शुभारंभ उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। पहले ही दिन मेले में लगे बीज बिक्री स्टॉल से रिकार्ड 30 लाख रुपये से अधिक के बीज बिक गए। अभी तक मेले में अधिकतम 25 लाख रुपये तक के बीज बेचे गए। इसमें गेहूं, मटर, मसूर, सरसों, राई व सब्जियों के बीज रहे। प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया।

मेले में डॉ. संजय सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन को लेकर नई प्रजातियां विकसित कर रहे हैं। शाम को कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। डॉ.अरविंद कुमार, डॉ. सीएल मौर्या, डॉ. विजय यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. खलील खान रहे।

सीएसए में गुरुवार को लगे मेले में बड़ी संख्या में बीज लेने उमड़े लोग।

अमेरिका से आया कीट बना वरदान

अमेरिका से आया कीट किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। अब सीएसए शोधार्थी भी इस कीट की संख्या को बढ़ाने पर रिसर्च कर रहे हैं। यह कीट सिर्फ गाजर घास को खाता है, इससे खेती में बड़ी राहत मिलती है। वहीं, यह घास अस्थमा मरीजों के लिए भी अधिक घातक है।

ड्रैगन फ्रूट से अधिक स्वादिष्ट कमलम फल

ड्रैगन फ्रूट को भारतीय जलवायु और जैविक तरीके से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विकसित किया है। यह ड्रैगन फ्रूट की तरह ही पौष्टिक है। विवि के उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वीके त्रिपाठी ने बताया कि छात्र कई फलों पर रिसर्च कर रहे हैं।

जौ का केक, महुआ की कुकीज खूब भायी

किसान मेला में सीएसजेएमयू की एमएससी फूड टेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने भी स्टॉल लगाए, जिसमें छात्रा युसरा ने जौ का स्ट्राबेरी केक और महुआ से तैयार कुकीज, रागी से बने कप-केक रखे थे। जिसकी कीमत 40 से 60 रुपये के बीच थी। वहीं, विवि के छात्रों ने फ्रेशनेस के लिए लेमन जूस भी रखा था।

दैनिक जागरण 25/10/2024

कुंभ है किसान मेला, उन्नत तकनीक से बढ़ाएं कृषि उत्पादन

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 41वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी का गुरुवार को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. संजय सिंह ने उद्घाटन किया। कहा कि यह मेला वास्तव में खेती और किसानी का कुंभ है। यहां उन्नत कृषि तकनीकों को जान-समझकर किसान अपने खेतों पर जाएंगे तो फसलों की उत्पादन लागत घटेगी और उत्पादन भी बढ़ जाएगा। उन्होंने मेले में लगे स्टालों का भी निरीक्षण किया।

हरित क्रांति में सीएसए के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों तक उन्नत कृषि तकनीक और अच्छे बीज पहुंचाने में इस तरह के किसान मेलों की भूमिका बहुत बड़ी है। विश्वविद्यालय ने सरसों एवं अन्य फसलों की जलवायु अनुकूल नई प्रजातियां विकसित की हैं जिसका लाभ किसानों को उठाना चाहिए। मक्का व आलू की खेती से किसानों को सर्वाधिक लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीएसए कुलपति डा. आनंद कुमार

सीएसए में आयोजित किसान मेला में स्टाल के निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते मुख्य अतिथि उपकारके महानिदेशकडा. संजयसिंह (मध्यमें) साथमें सीएसए कुलपति आनंद कुमार सिंह समेत अन्य वैज्ञानिक ● जागरण

सीएसए का 41वां किसान मेला शुरू, बीज केंद्रों पर उमड़े किसान-विद्यालय के बच्चों को स्कूल बैग व अध्ययन सामग्री दी गई

सिंह ने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग करने की सलाह दी। मुख्य अतिथि ने कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह समेत अन्य किसानों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय की तीन पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को स्कूल बैग व अन्य सामान देकर पुरस्कृत किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डा. आरके यादव ने किया। इस अवसर पर डा. सीएल मौर्य, डा. विजय कुमार यादव, डा. पीके उपाध्याय, डा. मुक्ता गर्ग व कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रतिनिधि व किसान मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन में बही कविता की सरस रसधार

जागरण संवाददाता, कानपुर: चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के किसान मेला की सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन का उद्घाटन कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह ने किया।

उन्होंने कहा कि कविता अंतर्मन के भावों की अभिव्यक्ति है जिसे हर कोई काव्य रूप में व्यक्त नहीं कर सकता है। कवि सम्मेलन के प्रारंभ में शिखा मिश्रा ने वाणी वंदना प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता समीर शुक्ल और संचालन गोविन्द गजब ने किया।

नवगीतकार जयराम जय ने- सब हैं पागल हुए आज कल खूब कमाने में और फतेहपुर के समीर शुक्ला ने हास्य कविता- अरे मोरे भैया बच के रहना गिरगिट मिलिहै सतरंगा सुनाकर समाज के स्वार्थी स्वभाव की ओर ध्यान खींचा। शिखा मिश्रा, मनीष मीत, अनीता अनुश्री आदि ने भी काव्यपाठ किया।

गेहूं के पौधों संग पहुंचे वाराणसी के किसान

किसान ने सेलेक्शन पद्धति से विकसित की गेहूं की जलवायु अनुकूलन प्रजाति, मेले में बांट रहे निश्शुल्क बीज

जासं, कानपुर : सीएसए के किसान मेले में वाराणसी के टंडिया जखनी निवासी किसान रंजीत सिंह रघुवंशी भी गेहूं के बीज और संरक्षित पौधे लेकर आए हैं। वह किसानों को निश्शुल्क बीज भी बांट रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता श्रीप्रकाश सिंह रघुवंशी ने बीज विकास की चयन पद्धति से गेहूं की 80 प्रजातियां विकसित की हैं। कुदरत अन्नपूर्णा और कुदरत-9 उन्नत प्रजाति है। इसका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 75 से 70 क्विंटल है। वृद्ध होने की वजह से उन्होंने अपनी 31 प्रजातियां करनाल गेहूं अनुसंधान निदेशालय और राष्ट्रीय बीज बैंक दिल्ली को 11 प्रजातियां दान की हैं। मेले में कुदरत-9 और कुदरत अन्नपूर्णा का बीज लेकर आए हैं। उन्होंने बताया कि मेरे पिता को प्रजातियों के विकास का शौक है। वह खेती-किसानी के विकास के लिए काम कर रहे हैं। अब आंखों से बहुत कम दिखाई देता है।

किशान रंजीत सिंह रघुवंशी ● जागरण

अब वर्टिकल गार्डन में होगी सब्जी और फलों की खेती : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कृषि प्रदर्शनी में वर्टिकल गार्डन यानी दो से तीन मंजिल में की जाने वाली सब्जी और फलों की खेती का माडल प्रदर्शित किया गया है। उद्यान महाविद्यालय ने यह माडल शहरी क्षेत्रों के लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। इसमें फलों और सब्जियों के साथ ही सजावटी पौधों को भी तैयार किया जा सकता है। उद्यान एवं फल विज्ञान विभाग के प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहरी क्षेत्र में जहां पर जगह कम हो रही है, प्रदूषण बढ़ रहा है, रासायनिक उत्पादित सब्जियां बाजार से लानी पड़ती हैं, उन सबसे निजात के लिए वर्टिकल उद्यान की अवधारणा ने जन्म लिया है। इसमें रंगूनक्रीपर, राखी बेल, टीकोमा, मनी प्लांट, मान्स्टरा, क्लाइमेस्टिक, बरौलिया लताओं को लगा सकते हैं। साथ ही घर की जरूरत के अनुसार गमले या बड़े बर्तन में टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, तथा लता वाली सब्जियां उगाई जा सकती हैं। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि इन दोनों माडलों को तैयार करने में विभाग के डा. शिवानंद पांडेय, डा. अमित कुमार, डा. मनुज अवस्थी, डा. सोमेंद्र वर्मा और शोध छात्रों सौरभ तिवारी, रिद्धिमा त्रिपाठी, सत्यार्थ सोनकर, प्रतीक्षा, शालिनी, एकता ने भूमिका निभाई है।

आज 30 लाख का बिका बीज : मेला में अनाज व सब्जियों की 52 प्रजातियों के 30 लाख रुपये के बीज बेचे गए। निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डा. विजय कुमार यादव ने बताया कि पहले दिन मेले में 30 लाख रुपये के बीजों की बिक्री की गई है।

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
27 .c
न्यूनतम तापमान
बाजार
73.840g
87.000 kg
1,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 अलग माहौल वाले विधानसभा चुनाव, महाराष्ट्र और झारखंड में सीट बंटवारे पर खींचतान

तृप्ति डिमरी ने शुरूआती दिनों का जिक्र

:10 अंक :259 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 पृष्ठ : 08

कृषि अनुसंधान परिषद महानिदेशक ने किया

कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का उद्घाटन

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर , सीएसए में 24 एवं 25 अक्टूबर तक दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ आज मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने फीता काटकर किया।

तत्पश्चात उन्होंने मेले में लगे सभी स्थलों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया।उन्होंने दूरस्थ जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है।उन्होंने कहा कि किसान मेलों का किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। किसान मेला कृषि का बड़ा कुंभ है। जो कि किसानों को उन्नतशील बनाने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गई हैं।जो जलवायु अनुकूलन भी हैं उन्होंने मक्का व आलू की खेती पर विशेष बल दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है।कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं।जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके हो। उन्होंने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग पर बल दिया। जिससे कि कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बरकरार बनी रहे। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद कुमार द्वारा किया गया। सायं को एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया।

लखनऊ, शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी एवं प्रयागराज से प्रकाशित

सुंदर की घातक गेंदबाजी से न्यूजीलैंड को 259 पर समेटा

कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का उद्घाटन

कानपुर। सीएसए में 24 एवं 25 अक्टूबर तक दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ आज मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि नुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है।कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनायें । कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉ पी के उपाध्याय, डॉ.मुक्ता गर्ग एवं कृषक समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष/वैज्ञानिक तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए पांच हजार से अधिक किसान उपस्थित रहे।

उत्तराखंड,मध्य-प्रदेश,उत्तर-प्रदेश,राजस्थान,बिहार,महाराष्ट्र,गुजरात,संघ प्रदेश,से एक साथ प्रसारित

हिन्दी दैनिक

RNI NO - UTTHIN/2018/76731

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

दि ग्राम टुडे

Email : thegramtodayeditor@gmail.com

मौसम

अधि. 15 | सूर्योदय: 7:31

न्यून. 06 | सूर्योदय: 5:27

शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024

वर्ष: 06 अंक: 309 | पेज: 08, मूल्य: 2 रूपये

कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का हुआ उद्घाटन, मुख्य अतिथि ने कहा कृषक उन्नत बीज एवं तकनीकी का करें प्रयोग

दि ग्राम टुडे, कानपुर।(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में 24 एवं 25 अक्टूबर तक दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ आज मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात उन्होंने मेले में लगे सभी स्थलों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया।उन्होंने दूरस्थ जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान मेलों का किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। किसान मेला कृषि का बड़ा कुंभ है। जो कि किसानों को उन्नतशील बनाने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गई हैं।जो जलवायु अनुकूलन भी हैं उन्होंने मक्का व आलू की खेती पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है।कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं ।जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके हो। उन्होंने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग पर बल दिया। जिससे कि कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बरकरार बनी रहे। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद कुमार द्वारा किया गया। सायं को एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉ पी के उपाध्याय, डॉ.मुक्ता गर्ग एवं कृषक समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष/वैज्ञानिक तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए पांच हजार से अधिक किसान उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 25 अक्टूबर • 2024

'खेती में रसायनों का कम से कम प्रयोग करें किसान'

सीएसए में शुरू हुआ अखिल भारतीय किसान मेला

कृषकों से उन्नत बीज व तकनीकी के प्रयोग का आह्वान

कृषि उद्योग प्रदर्शनी में स्टॉल्स ने किसानों को लिया आकर्षित

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में गुरुवार को दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। अतिथि विशेषज्ञों ने किसानों से अपील की कि वह खेती में रसायनों का कम से कम प्रयोग करें ताकि उत्पादन की गुणवत्ता बनी रहे। इसी के साथ जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके।

मुख्य अतिथि ने मेले में लगे सभी स्टालों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया और दूरस्थ जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। डॉ. सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान मेलों का किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। किसान मेला कृषि का महाकुंभ है जो कि किसानों को उन्नतशील बनाने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गयी हैं जो जलवायु अनुकूलन भी हैं। उन्होंने मक्का व आलू की खेती पर विशेष बल दिया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके हो। उन्होंने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग पर बल दिया। जिससे कि कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बरकरार बनी रहे। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव और धन्यवाद डॉ.वीके कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अरविंद कुमार द्वारा किया गया। सायं को एक किसान कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ.महेन्द्र मौर्य, डॉ.विजय कुमार यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ.मुक्ता गर्ग एवं कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष/वैज्ञानिक तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए पांच हजार से अधिक किसान उपस्थित रहे।

उन्नत बीज एवं तकनीकी का करें प्रयोग

❑ कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय किसान मेला शुरू

(आज समाचार सेवा)

कानपुर 24 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात उन्होंने मेले में लगे सभी स्थलों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया। डॉ. सिंह ने कहा कि किसान मेलों की किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गई हैं जो जलवायु अनुकूलन भी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सकेगी। उन्होंने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग पर बल दिया, जिससे कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बरकरार बनी रहे। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने किया, जबकि धन्यवाद डॉ. वीके कनौजिया ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरविंद कुमार ने किया। शाम को एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. विजय कुमार यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. मुक्ता गर्ग एवं कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आये किसान उपस्थित रहे।

किसान मेला में जानकारी लेते कृषक।

प्रगतिशील कृषकों को किया गया सम्मानित

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 115 कानपुर, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि अनुसंधान परिषद महानिदेशक ने किया कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का उद्घाटन

कानपुर । सीएसए में 24 एवं 25 अक्टूबर तक दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ आज मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात उन्होंने मेले में लगे सभी स्थलों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया।उन्होंने दूरस्थ जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान मेलों का किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। किसान मेला कृषि का बड़ा कुंभ है। जो कि किसानों को उन्नतशील बनाने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित

की गई हैं।जो जलवायु अनुकूलन भी हैं उन्होंने मक्का व आलू की खेती पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है।कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं ।जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके हो। उन्होंने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग पर बल दिया। जिससे कि कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बरकरार बनी रहे। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद कुमार द्वारा किया गया। सायं को एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉ पी के उपाध्याय, डॉ.मुक्ता गर्ग एवं कृषक समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष/वैज्ञानिक तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए पांच हजार से अधिक किसान उपस्थित रहे।

सीएसए में दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

कृषि की नई तकनीक की दी जानकारी

प्रदेश भर से आए किसान मेले में हुए शामिल

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात उन्होंने मेले में लगे सभी स्थलों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया। उन्होंने दूरस्थ जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान मेलों का किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। किसान मेला कृषि का बड़ा कुंभ है। जो कि किसानों को उन्नतशील बनाने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गई हैं।जो जलवायु अनुकूलन भी हैं उन्होंने मक्का व आलू की खेती पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है। कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं । जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके हो। उन्होंने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग पर बल दिया। जिससे कि कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बरकरार बनी रहे। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अरविंद कुमार द्वारा किया गया। सायं को एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉ पी के उपाध्याय, डॉ.मुक्ता गर्ग एवं कृषक समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष/वैज्ञानिक तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए पांच हजार से अधिक किसान उपस्थित रहे।

अंक-233 कानपुर, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

कृषि अनुसंधान परिषद महानिदेशक ने किया कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का उद्घाटन

आज का कानपुर

कानपुर-सीएसए में 24 एवं 25 अक्टूबर तक दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ आज मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात उन्होंने मेले में लगे सभी स्थलों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया।उन्होंने दूरस्थ जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान मेलों का किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। किसान मेला कृषि का बड़ा कुंभ है। जो कि किसानों को उन्नतशील बनाने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गई हैं।जो जलवायु अनुकूलन भी हैं उन्होंने मक्का व आलू की खेती पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है।कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं ।जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके हो। उन्होंने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग पर बल दिया। जिससे कि कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बरकरार बनी रहे। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद कुमार द्वारा किया गया। सायं को एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ सीएल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉ पी के उपाध्याय, डॉ.मुक्ता गर्ग एवं कृषक समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष/वैज्ञानिक तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए पांच हजार से अधिक किसान उपस्थित रहे।

युवाओं में खेल आयोजित हुआ

आज का कानपुर

कानपुर-श्री जोधा सिंह मेमोरियल नारी एवं बाल उत्थान समिति के द्वारा बिधनू स्थित छौकी प्रीमियम लीग का आयोजन धूमधाम से किया गया हाड़हा एवं कठेरुवा टीम के खिलाड़ियों ने अपनी अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। सात दिवसीय प्रीमियम लीग के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया के द्वारा शुभारंभ फीता काटकर किया गया। आयोजक सौरभ सिंह भदौरिया ने मुख्य अतिथि मनोज भदौरिया का स्वागत माल्यार्पण कर पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय लेते हुए बधाई देकर मनोबल बढ़ाया। मनोज भदौरिया ने अपने संबोधन में कहा की जो भी टीमें इस प्रतियोगिता में

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

क-297 शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकाशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

बिक्री करें।

कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का हुआ उद्घाटन, मुख्य अतिथि ने कहा कृषक उन्नत बीज एवं तकनीकी का करें प्रयोग

अनवर अशरफ

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में 24 एवं 25 अक्टूबर तक दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ आज मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात उन्होंने मेले में लगे सभी स्थलों का भ्रमण किया तथा स्टालों पर प्रदर्शित कृषि तकनीकियों का अवलोकन भी किया।उन्होंने दूरस्थ जनपदों से आए कृषकों को संबोधित किया। इसके पूर्व उन्होंने प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि सीएसए का हरित क्रांति में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किसान मेलों का किसानों की उन्नति में बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक से रूबरू होते हैं। किसान मेला कृषि का बड़ा कुंभ है। जो कि किसानों को उन्नतशील बनाने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा सरसों एवं अन्य फसलों की नई प्रजातियां विकसित की गई हैं।जो जलवायु अनुकूलन भी हैं उन्होंने मक्का व आलू की खेती पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर

आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश की आर्थिकी में कृषि का बड़ा योगदान है।कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से जलवायु अनुकूलन प्रजातियों को अपनाएं ।जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके हो। उन्होंने कृषि रसायनों के कम से कम प्रयोग पर बल दिया। जिससे कि कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बरकरार बनी रहे। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को किट देकर पुरस्कृत भी किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद कुमार द्वारा किया गया। सायं को एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार यादव, डॉ पी के उपाध्याय, डॉ.मुक्ता गर्ग एवं कृषक समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्ष/वैज्ञानिक तथा प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए पांच हजार से अधिक किसान उपस्थित रहे।